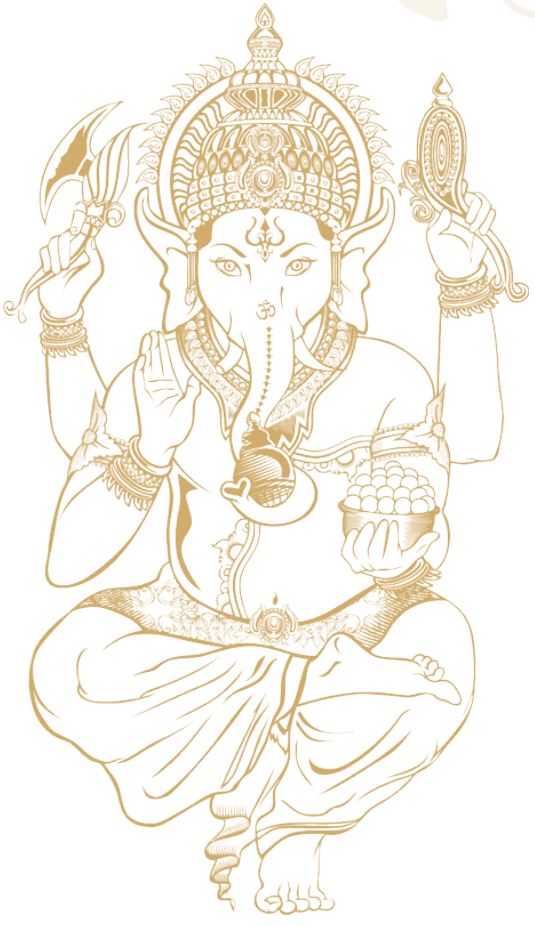

Ish gupta

03 May 1989

09:35 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121659803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/05/1989**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:35:00 घंटे**
इष्ट	09:55:48 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:15:48 घंटे
वेलान्तर	00:03:08 घंटे
साम्पातिक काल	23:59:57 घंटे
सूर्योदय	05:36:40 घंटे
सूर्यास्त	18:55:59 घंटे
दिनमान	13:19:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	18:59:42 मेष
लग्न के अंश	18:43:05 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	विष्कुम्भ
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:43:05	315:41:35	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			मेष	18:59:42	00:58:12	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			मीन	16:21:12	14:56:41	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल			मिथु	08:44:57	00:37:07	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
बुध			वृष	09:25:34	00:47:59	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			वृष	16:18:55	00:13:11	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	26:18:53	01:13:58	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि	व		धनु	20:08:00	00:00:59	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	08:36:15	00:05:49	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	08:36:15	00:05:49	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	11:23:18	00:01:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
नेप	व		धनु	18:34:33	00:00:36	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	20:07:18	00:01:41	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			मीन	06:16:47	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:36

लग्न-चलित

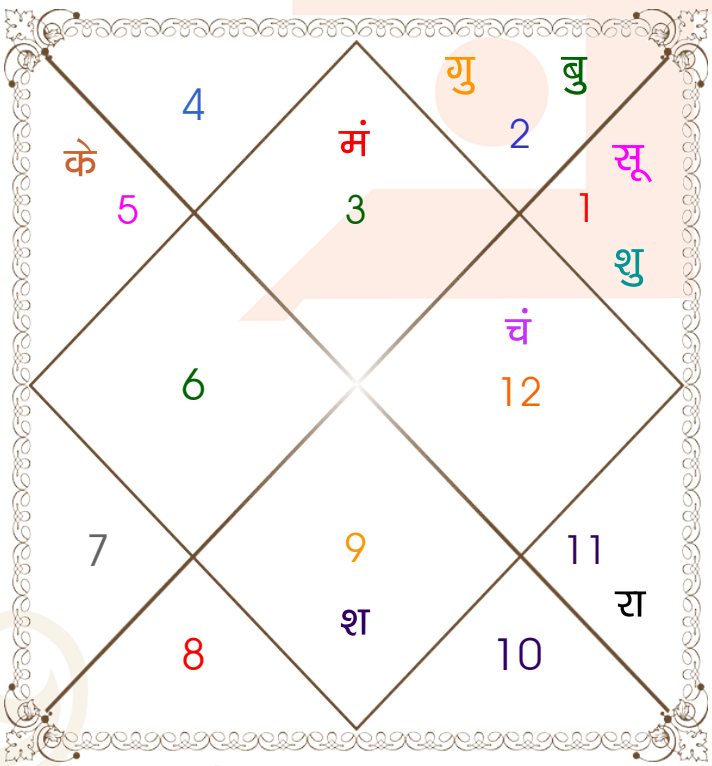

चन्द्र कुंडली

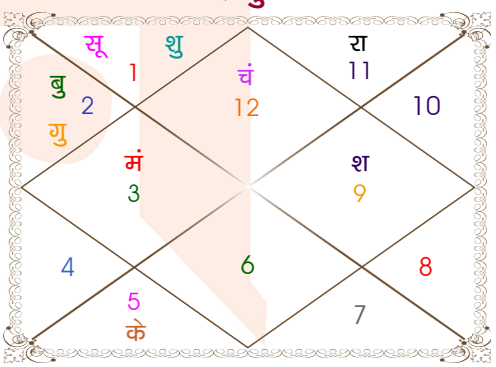

नवमांश कुंडली

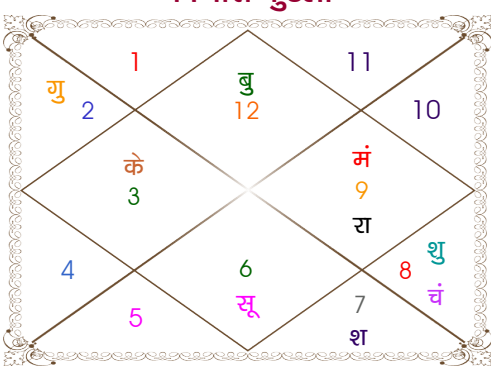

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 5 मास 10 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
03/05/1989		13/10/1989		13/10/2006		13/10/2013		13/10/2033	
13/10/1989		13/10/2006		13/10/2013		13/10/2033		13/10/2039	
	00/00/0000	बुध	11/03/1992	केतु	11/03/2007	शुक्र	11/02/2017	सूर्य	31/01/2034
	00/00/0000	केतु	08/03/1993	शुक्र	10/05/2008	सूर्य	12/02/2018	चंद्र	01/08/2034
	00/00/0000	शुक्र	07/01/1996	सूर्य	15/09/2008	चंद्र	13/10/2019	मंगल	07/12/2034
	00/00/0000	सूर्य	12/11/1996	चंद्र	16/04/2009	मंगल	13/12/2020	राहु	01/11/2035
	00/00/0000	चंद्र	14/04/1998	मंगल	13/09/2009	राहु	13/12/2023	गुरु	19/08/2036
	00/00/0000	मंगल	11/04/1999	राहु	01/10/2010	गुरु	13/08/2026	शनि	01/08/2037
	00/00/0000	राहु	28/10/2001	गुरु	07/09/2011	शनि	13/10/2029	बुध	07/06/2038
	03/05/1989	गुरु	03/02/2004	शनि	16/10/2012	बुध	13/08/2032	केतु	13/10/2038
गुरु	13/10/1989	शनि	13/10/2006	बुध	13/10/2013	केतु	13/10/2033	शुक्र	13/10/2039

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/10/2039		13/10/2049		13/10/2056		13/10/2074		13/10/2090	
13/10/2049		13/10/2056		13/10/2074		13/10/2090		04/05/2109	
चंद्र	13/08/2040	मंगल	11/03/2050	राहु	26/06/2059	गुरु	30/11/2076	शनि	16/10/2093
मंगल	14/03/2041	राहु	30/03/2051	गुरु	19/11/2061	शनि	14/06/2079	बुध	25/06/2096
राहु	13/09/2042	गुरु	05/03/2052	शनि	24/09/2064	बुध	19/09/2081	केतु	04/08/2097
गुरु	13/01/2044	शनि	13/04/2053	बुध	14/04/2067	केतु	26/08/2082	शुक्र	05/10/2100
शनि	13/08/2045	बुध	11/04/2054	केतु	01/05/2068	शुक्र	26/04/2085	सूर्य	17/09/2101
बुध	13/01/2047	केतु	07/09/2054	शुक्र	02/05/2071	सूर्य	12/02/2086	चंद्र	18/04/2103
केतु	14/08/2047	शुक्र	07/11/2055	सूर्य	26/03/2072	चंद्र	14/06/2087	मंगल	27/05/2104
शुक्र	13/04/2049	सूर्य	14/03/2056	चंद्र	25/09/2073	मंगल	20/05/2088	राहु	03/04/2107
सूर्य	13/10/2049	चंद्र	13/10/2056	मंगल	13/10/2074	राहु	13/10/2090	गुरु	04/05/2109

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 5 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।